परमेश्वर की सेवा करने के लिये साथ साथ कार्य करना

प्रार्थना: "प्रिय परमेश्वर बच्चों को आपकी सेवा करने के लिये सहायता कर कि वे पाप से मुड़ कर अपने विश्वास को पुन: नया करें"

बच्चों की कोई भी सीखने वाली गतिविधियों में से चुने जो उनकी आयु और आवश्यकताओं पर ठीक बैठता है।

2 इतिहास अध्याय 30 में बड़ा बच्चा या शिक्षक पढ़े या हिजकिया राजा के विषय बतायें।

- ये कहानी दिखाती है कि किस प्रकार राजा ने अपने लोगों के पास शिक्षक भेजे और लोगों में आत्मिक जागृति लाई।

कहानी बताने के बाद इन प्रश्नों को पूछें (उत्तर हर प्रश्न के पीछे दिये हुए हैं)

- किसने सब लोगों को यरूशलेम में फतह मनाने के द्वारा परमेश्वर की आराधना के लिये आमंत्रित किया? *(उत्तर देखें पद 1)*
- राजा ने अपना निमंत्रण किस प्रकार भेजा? (उत्तर देखें पद 10 उसने सन्देश वाहको को भेजा)
- कुछ लोगों ने किस प्रकार प्रतिक्रिया की? *(उत्तर पद 11देखें)*
- किसने कुछ लोगों को अच्छी प्रतिक्रिया के लिये इच्छा दी? *(देखें पद 12)*
- लोगों ने जो परमेश्वर के वचन से सुना उसे किस प्रकार व्यवहार में लाये? *(उत्तर देखें पद 14)*
- राजा के दूसरे राज्य में किसके अधीन इस प्रकार फसल का वर्ष मनाया गया? *(उत्तर देखें पद 26)*

राजा हिजकियाह की कहानी के भाग को नाटक का रूप दें जिसने अपने लोगों के बीच नवीनी करण लाया। मुख्य कलीसिया के अगुवे के साथ इस संक्षिप्त नाटक को प्रस्तुत करने का प्रबन्ध करें। इस नाटक की तैयारी के लिये बच्चों के साथ अपना समय लगायें। बड़े बच्चों को छोटों की मदद करने दें।

- **बड़े बच्चे** या वयस्क इन भूमिकाओं को करें:

  प्रवक्ता: कहानी का सारांश बनाता है और बच्चों को स्मरण रखने में सहायता करता है कि उन्हें क्या कहना और करना है।

  राजा हिजकियाह का चित्र अपने हाथों में कागज को दिखाएं।

- **छोटे बच्चे** ये भूमिका निभायें:

  राजा के सन्देश वाहक
  निन्दक
  लोग जो सन्देश पर चलते हैं
  याजक

प्रवक्ता: कहानी के प्रथम भाग को 2 इतिहास 30:1-12 से बताता है। कहता है "सुनो कि राजा हिजकियाह क्या आज्ञा देता है"

राजा हिजकियाह: "सन्देश वाहको! इस्राएल के सब नगरों में जाओ। उन्हें ये सन्देश दो। यरूशलेम में फसल का वर्ष मनाने आओ। हम सभी को पश्चत्ताप करने की आवश्यकता है कि परमेश्वर की आशीषें प्राप्त करें"।

राजा के सन्देश वाहकः मण्डली में विभिन्न लोगों के पास जाते हैं। कहते हैं, पश्चत्ताप करो और यरूशलेम में फतह मनाने को आओ।

निन्दकः "वह बहुत दूर जाना है, हम नहीं जायेंगे!"

लोग जो सन्देश मानते हैं: "हाँ! परमेश्वर हमें पश्चत्ताप करने में सहायता करेगा। हम जायेंगे!"

प्रवक्ताः 2 इतिहास 30:13-27 से कहानी को दूसरा भाग है। तब कहता है, "सुनो कि लोग क्या कहते हैं"।

लोग जो सन्देश मानते हैं: "हम फसल के लिये यरूशलेम आये हैं। हम एक सच्चे परमेश्वर की सेवा करना चाहते हैं। आइये यहाँ सब वेदियों और मूरतों को नाश करें।"

राजा हिजकियाहः "इस महान भोज के लिये जो कुछ आवश्यक होगा मैं उपलब्ध कराऊंगा! आओ हम ढांढ़स बांधें! यदि हम पश्चत्ताप करें तो परमेश्वर हमारी प्रार्थनाओं को सुनेगा!"

याजकः "साथ साथ आनन्द करना अच्छा है! आइये हम दूसरा सप्ताह मनायें! राजा सुलेमान के समय से ऐसी आत्मिक जागृति नहीं हुई थी!"

प्रवक्ता या बड़ा बच्चाः ये बयान करें कि नाटक समाप्त हो गया है और जिन्होंने सहायता की उनको धन्यवाद देता है।

प्रश्न पूछें: यदि बच्चे इस कहानी को बड़ों के लिये नाटक का रूप देते हैं तो उन्हें जो प्रश्न ऊपर की सूचि में है उन्हें बड़ों से पूछने दीजिये।

ऐसे उदाहरणों पर चर्चा करें जो दूसरों ने किया ठीक वैसा जैसा राजा हिजकियाह ने किया:

- उन लोगों के लिये जिन्हें परमेश्वर की आवश्यकता है दूसरे लोगों ने उन तक पश्चत्ताप का क्या सन्देश ले कर गये?
- अब परमेश्वर के लोग किस समय साथ मिलकर प्रार्थना करते और मनाते हैं?

सन्देश के साथ पत्र की तस्वीर बनायें जिससे बच्चे उसकी नाटक कर के। आगामी आराधना के समय बच्चों को अपनी तस्वीर बड़ों को दिखाने दें या घर पर माता पिता को दिखायें। उन्हें ये वर्णन करने दें कि ये प्रगट करता है कि हम किस प्रकार पश्चत्ताप को दूसरों तक ले जाते हैं जिससे हम सब साथ में परमेश्वर को खोज सकें और प्रार्थना कर सकें। बड़े बच्चों को छोटे बच्चों को सहायता करने दें।

फिलिप्पियों 2:2-3 **कंठस्त करें।**

कविताः तीन बच्चे हर एक भजन 14:1-3 की एक आयत को बोले।

बड़े बच्चों को आत्मिक रूप से नये हुए लोगों पर कविता गीत और नाटक लिखने दें। इसे करने के लिये वे एक साथ काम कर सकते हैं और वे इस काम को घर पर भी कर सकते हैं।

प्रार्थनाः "प्रभु हम भी इस्राएल के लोगों की तरह हठी और विश्वास घाती रहे हैं। हम आपकी प्रशंसा करते क्योंकि आप हमेशा जब भी हम पश्चत्ताप करते तो सुनते हैं। जब हम एक साथ आनन्द मनाते तो आप हमें महान आशीषें देते हैं"।

हिजकियाह के सन्देश वाहकों ने लोगों को सिखाया